जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–आर्थिक स्तर के प्रभाव का अध्ययन

डॉ0 डी0एस0 गड़िया
एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षा विभाग
हिमगिरी ज़ी विश्वविद्यालय, देहरादून

राखी
शोधार्थिनी
शिक्षा विभाग
हिमगिरी ज़ी विश्वविद्यालय, देहरादून

सारांश

जनसंख्या शिक्षा आत्मोत्थान तथा भावी पीढ़ी के कल्याण के लिए आवश्यक है। जनसंख्या शिक्षा मानव को वह चिन्तन शक्ति प्रदान करती है जिससे वह अपने स्वास्थ्य, समाज एवं राष्ट्र हित को समझ सकता है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य जनपद हरिद्वार के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर उनके सामाजिक–आर्थिक स्तर के प्रभाव का अध्ययन करना है। इस शोध में वर्णनात्मक सर्वेक्षण शोधविधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में हरिद्वार जनपद के 200 ग्रामीण व्यक्तियों तथा 200 शहरी व्यक्तियों को न्यादर्श के रूप में चुना गया। न्यादर्श का चयन करने के लिए यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए मध्यमान, मानक विचलन तथा द्विमार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। परिणामों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव पाया गया है। शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की तुलना में उच्च पायी गयी है। जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर, आर्थिक स्तर, वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य, स्वास्थ्य स्तर एवं सामाजिक–आर्थिक स्तर का सार्थक प्रभाव पाया गया है। जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर शैक्षिक स्तर का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

मुख्य बिन्दु :– *जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति, सामाजिक–आर्थिक स्तर, ग्रामीण तथा शहरी व्यक्ति*

प्रस्तावना

तीव्र गति से बढ़ती हुई जनसंख्या राष्ट्र की प्रगति के लिए परमाणु बम से कहीं अधिक घातक सिद्ध हो रही है। वर्तमान आर्थिक संकट तथा जीवन स्तर की गिरावट के लिए अधिकांशतः जनसंख्या विस्फोट ही उत्तरदायी है। **देवी (2018)** के अनुसार, ***"यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि जनसंख्या विस्फोट किसी राष्ट्र के राष्ट्रीय विकास में सबसे बडी बाधा है। आज जनसंख्या विस्फोट ने मानवजाति की अन्य सभी वैश्विक समस्याओं को धूमिल कर दिया है।"***

वर्तमान समय में देश के प्रत्येक नागरिक, बच्चे, व्यस्क तथा वृद्ध को जनसंख्या शिक्षा की नितान्त आवश्यकता है। जनसंख्या शिक्षा आत्मोत्थान तथा भावी पीढ़ी के कल्याण के लिए आवश्यक है। जनसंख्या शिक्षा मानव को वह चिन्तन शक्ति प्रदान करती है जिससे वह अपने स्वास्थ्य, समाज एवं राष्ट्र हित को समझ सकता है। यदि हम भारत को विकसित देशों की श्रेणी में लाना चाहते हैं तो भारत के प्रत्येक व्यक्ति को जनसंख्या शिक्षा से परिचित कराना होगा तथा जनसंख्या जागरूकता और जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का विकास करना होगा। जनसंख्या शिक्षा को लागू करने तथा जनसंख्या शिक्षा के प्रति धनात्मक अभिवृत्ति की आवश्यकता का अनेक विद्वानों ***(द्विवेदी, 2002, सिंह, 2002, यादव, 2009, बाशा, 2009, सिंह, 2011, सिद्दीकी, 2013, गोहायन, 2015)*** द्वारा अनुभव किया गया। शोधार्थिनी ने अनुभव किया कि किसी भी शोध में जनपद हरिद्वार के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर

सामाजिक–आर्थिक स्तर के प्रभाव का अध्ययन नहीं किया गया है। इसी तथ्य को दृष्टि में रखते हुए प्रस्तुत समस्या का अध्ययन के लिए चयन किया गया है।

उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–आर्थिक स्तर के प्रभाव का अध्ययन करना है।

परिकल्पनाएं

प्रस्तुत शोध की परिकल्पनाएं निम्न हैं :–

1. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर का सार्थक प्रभाव नहीं है।
2. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर आर्थिक स्तर का सार्थक प्रभाव नहीं है।
3. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य का सार्थक प्रभाव नहीं है।
4. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर स्वास्थ्य का सार्थक प्रभाव नहीं है।
5. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर शैक्षिक स्तर का सार्थक प्रभाव नहीं है।
6. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–आर्थिक स्तर का सार्थक प्रभाव नहीं है।

अनुसंधान विधि

शोधार्थिनी द्वारा शोध में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि

प्रस्तुत शोध में हरिद्वार जनपद के 200 ग्रामीण व्यक्तियों तथा 200 शहरी व्यक्तियों को न्यादर्श के रूप में चुना गया। न्यादर्श का चयन करने के लिए यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए मध्यमान, मानक विचलन तथा द्विमार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

सारणी – 1(क)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर के प्रभाव का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर	संख्या	जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	22	23.36	6.32
	औसत	143	21.47	5.70
	निम्न	35	19.26	5.08
शहरी	उच्च	27	22.78	5.42
	औसत	164	23.07	5.65
	निम्न	09	20.89	4.37

सारणी 1(क) से स्पष्ट है कि उच्च, औसत व निम्न सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 23.36, 21.47 तथा 19.26 व मानक विचलन क्रमशः 6.32, 5.70 तथा 5.08 है। उच्च, औसत व निम्न सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर वाले शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 22.78, 23.07 तथा 20.89 व मानक विचलन क्रमशः 5.42, 5.65 तथा 4.37 है। ये सभी मध्यमान उच्च, औसत व निम्न सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति औसत अभिवृत्ति को प्रदर्शित करते हैं। सारणी से स्पष्ट है कि निम्न सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे निम्न तथा उच्च सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च है।

सारणी – 1(ख)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर के प्रभाव का प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	आवृति अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	167.774	167.774	5.309*	सार्थक
सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर	2	234.344	117.172	3.708*	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	50.653	25.327	0.801	असार्थक
समूहों के मध्य	6	196094.79	32682.46		
समूहों के अन्तर्गत	394	12451.203	31.602		

** = 0.05 सार्थकता स्तर*

सारणी 4.15.1(ख) से स्पष्ट है कि आवृत्ति अंश 1,394 पर जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र के प्रभाव का एफ मान 5.309 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान

84 (0.05 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति व्यक्तियों की अभिवृत्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर के प्रभाव के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 3.708 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर क्षेत्र और सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 0.801 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से भी कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र और सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर की अन्तःक्रिया का जनसंख्या शिक्षा के प्रति व्यक्तियों की अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

सारणी – 2(क)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर आर्थिक स्तर के प्रभाव का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	आर्थिक स्तर	संख्या	जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	29	25.00	5.94
	औसत	68	21.19	5.77
	निम्न	103	20.31	5.29
शहरी	उच्च	51	24.16	5.68
	औसत	87	22.59	5.17
	निम्न	62	22.38	5.92

सारणी 2(क) से स्पष्ट है कि उच्च, औसत व निम्न आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 25.00, 21.19 तथा 20.31 व मानक विचलन क्रमशः 5.94, 5.77 तथा 5.29 है। उच्च, औसत व निम्न आर्थिक स्तर वाले शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 24. 16, 22.59 तथा 22.38 व मानक विचलन क्रमशः 5.68, 5.17 तथा 5.92 है। ये सभी मध्यमान उच्च, औसत व निम्न आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति औसत अभिवृत्ति को प्रदर्शित करते हैं। सारणी से स्पष्ट है कि निम्न आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे निम्न तथा उच्च आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च है।

सारणी – 2(ख)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर आर्थिक स्तर के प्रभाव का प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	आवृति अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	147.158	147.158	4.779*	सार्थक
आर्थिक स्तर	2	494.893	247.446	8.035**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	108.360	54.180	1.759	असार्थक
समूहों के मध्य	6	196413.05	32735.50		
समूहों के अन्तर्गत	394	12132.947	30.794		

*** = 0.01 सार्थकता स्तर* *** = 0.05 सार्थकता स्तर*

सारणी 4.15.2(ख) से स्पष्ट है कि आवृत्ति अंश 1,394 पर जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र के प्रभाव का एफ मान 4.779 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 3. 84 (0.05 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर आर्थिक स्तर के प्रभाव के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 8.035 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर आर्थिक स्तर का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर क्षेत्र और आर्थिक स्तर की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 1.759 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से भी कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र और आर्थिक स्तर की अन्तःक्रिया का जनसंख्या शिक्षा के प्रति व्यक्तियों की अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

सारणी – 3(क)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य के प्रभाव का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य	संख्या	जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	अधिक	03	28.67	1.53
	सामान्य	43	22.37	6.23
	कम	154	20.84	5.54
शहरी	अधिक	06	24.67	6.53
	सामान्य	56	24.38	5.70
	कम	138	22.26	5.38

सारणी 3(क) से स्पष्ट है कि वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक, सामान्य व कम आधिपत्य वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 28.67,

22.37 तथा 20.84 व मानक विचलन क्रमशः 1.53, 6.23 तथा 5.54 है। वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक, सामान्य व कम आधिपत्य वाले शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 24.67, 24.38 तथा 22.26 व मानक विचलन क्रमशः 6.53, 5. 70 तथा 5.38 है। ये सभी मध्यमान वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक आधिपत्य वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों के अतिरिक्त सभी ग्रामीण तथा शहरी व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति औसत अभिवृत्ति को प्रदर्शित करते हैं। वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक आधिपत्य वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति उच्च अभिवृत्ति है। सारणी से स्पष्ट है कि वस्तुओं एवं सेवाओं पर कम आधिपत्य वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे निम्न तथा वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक आधिपत्य वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च है।

सारणी – 3(ख)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य के प्रभाव का प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	आवृति अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	210.265	210.265	6.737**	सार्थक
वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य	2	372.803	186.402	5.973**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	66.886	33.443	1.072	असार्थक
समूहों के मध्य	6	196249.48	32708.248		
समूहों के अन्तर्गत	394	12296.511	31.209		

*** = 0.01 सार्थकता स्तर*

सारणी 3(ख) से स्पष्ट है कि आवृत्ति अंश 1,394 पर जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र के प्रभाव का एफ मान 6.737 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य के प्रभाव के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 5.973 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर क्षेत्र और वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 1.072 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0. 05 सार्थकता स्तर) से भी कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र और वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य की अन्तःक्रिया का जनसंख्या शिक्षा के प्रति व्यक्तियों की अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

सारणी – 4(क)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर स्वास्थ्य के प्रभाव का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	स्वास्थ्य स्तर	संख्या	जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उत्तम	19	21.58	3.37
	सामान्य	116	22.00	6.02
	निम्न	65	19.92	5.62
शहरी	उत्तम	22	23.41	5.59
	सामान्य	141	23.18	5.24
	निम्न	37	21.70	6.64

सारणी 4(क) से स्पष्ट है कि उत्तम, सामान्य व निम्न स्वास्थ्य वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 21.58, 22.00 तथा 19.92 व मानक विचलन क्रमशः 3.37, 6.02 तथा 5.62 है। उत्तम, सामान्य व निम्न स्वास्थ्य वाले शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 23.41, 23.18 तथा 21.70 व मानक विचलन क्रमशः 5.59, 5.24 तथा 6.64 है। ये सभी मध्यमान उत्तम, सामान्य व निम्न स्वास्थ्य वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति औसत अभिवृत्ति को प्रदर्शित करते हैं। सारणी से स्पष्ट है कि निम्न स्वास्थ्य वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे निम्न तथा उत्तम स्वास्थ्य वाले शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च है।

सारणी – 4(ख)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर स्वास्थ्य के प्रभाव का प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	आवृति अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	187.076	187.076	5.904*	सार्थक
स्वास्थ्य स्तर	2	243.676	121.838	3.845*	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	8.670	4.335	0.137	असार्थक
समूहों के मध्य	6	196062.14	32677.024		
समूहों के अन्तर्गत	394	12483.854	31.685		

** = 0.05 सार्थकता स्तर*

सारणी 4(ख) से स्पष्ट है कि आवृत्ति अंश 1,394 पर जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र के प्रभाव का एफ मान 5.904 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 3.84 (0.05 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर स्वास्थ्य के प्रभाव के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 3.845 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर स्वास्थ्य का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर क्षेत्र और स्वास्थ्य की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 0.137 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से भी कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र और स्वास्थ्य की अन्तःक्रिया का जनसंख्या शिक्षा के प्रति व्यक्तियों की अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

सारणी – 5(क)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर शैक्षिक स्तर के प्रभाव का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	शैक्षिक स्तर	संख्या	जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	23	21.70	6.79
	औसत	107	21.39	5.96
	निम्न	70	21.00	5.09
शहरी	उच्च	15	23.33	7.31
	औसत	109	23.73	5.26
	निम्न	76	21.70	5.45

सारणी 5(क) से स्पष्ट है कि उच्च, औसत व निम्न शैक्षिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 21.70, 21.39 तथा 21.00 व मानक विचलन क्रमशः 6.79, 5.96 तथा 5.09 है। उच्च, औसत व निम्न शैक्षिक स्तर वाले शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 23.33, 23.73 तथा 21.70 व मानक विचलन क्रमशः 7.31, 5.26 तथा 5.45 है। ये सभी मध्यमान उच्च, औसत व निम्न शैक्षिक स्तर वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति औसत अभिवृत्ति को प्रदर्शित करते हैं। सारणी से स्पष्ट है कि निम्न शैक्षिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे निम्न तथा औसत शैक्षिक स्तर वाले शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च है।

सारणी – 5(ख)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर शैक्षिक स्तर के प्रभाव का प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	आवृति अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	279.268	279.268	8.777**	सार्थक
शैक्षिक स्तर	2	140.340	70.170	2.205	असार्थक
अन्तःक्रिया	2	58.819	29.410	0.924	असार्थक
समूहों के मध्य	6	196008.95	32668.16		
समूहों के अन्तर्गत	394	12537.041	31.820		

*** = 0.01 सार्थकता स्तर*

सारणी 5(ख) से स्पष्ट है कि आवृत्ति अंश 1,394 पर जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र के प्रभाव का एफ मान 8.777 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर शैक्षिक स्तर के प्रभाव के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 2.205 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से भी कम है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर शैक्षिक स्तर का सार्थक प्रभाव नहीं है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर क्षेत्र और शैक्षिक स्तर की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 0.924 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से भी कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र और शैक्षिक स्तर की अन्तःक्रिया का जनसंख्या शिक्षा के प्रति व्यक्तियों की अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

सारणी – 6(क)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–आर्थिक स्तर के प्रभाव का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	सामाजिक–आर्थिक स्तर	संख्या	जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	09	26.33	5.72
	औसत	91	22.41	5.86
	निम्न	100	19.82	5.19
शहरी	उच्च	07	23.71	6.47
	औसत	131	23.33	5.63
	निम्न	62	22.00	5.29

सारणी 6(क) से स्पष्ट है कि उच्च, औसत व निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 26.33, 22.41 तथा 19.82 व मानक विचलन क्रमशः 5.72, 5.86 तथा 5.19 है। उच्च, औसत व निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर वाले शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 23.71, 23.33 तथा 22.00 व मानक विचलन क्रमशः 6.47, 5.63 तथा 5.29 है। ये सभी मध्यमान उच्च, औसत व निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति औसत अभिवृत्ति को प्रदर्शित करते हैं। सारणी से स्पष्ट है कि निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे निम्न तथा उच्च सामाजिक–आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च है।

सारणी – 6(ख)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–आर्थिक स्तर के प्रभाव का प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	आवृति अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	156.749	156.749	5.104*	सार्थक
सामाजिक–आर्थिक स्तर	2	539.414	269.707	8.783**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	97.755	48.878	1.592	असार्थक
समूहों के मध्य	6	196446.97	32741.162		
समूहों के अन्तर्गत	394	12099.030	30.708		

*** = 0.01 सार्थकता स्तर* * = 0.05 सार्थकता स्तर*

सारणी 6(ख) से स्पष्ट है कि आवृत्ति अंश 1,394 पर जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र के प्रभाव का एफ मान 5.104 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 3.84 (0.05 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर सामाजिक–आर्थिक स्तर के प्रभाव के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 8.783 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–आर्थिक स्तर का सार्थक प्रभाव है।

आवृत्ति अंश 2,394 पर क्षेत्र और सामाजिक–आर्थिक स्तर की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का एफ मान 1.592 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से भी कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र और सामाजिक–आर्थिक स्तर की अन्तःक्रिया का जनसंख्या शिक्षा के प्रति व्यक्तियों की अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किये गये हैं :–

1. जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव पाया गया है। शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों की तुलना में उच्च पायी गयी है।
2. जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर, आर्थिक स्तर, वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य, स्वास्थ्य स्तर एवं सामाजिक–आर्थिक स्तर का सार्थक प्रभाव पाया गया है। जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर शैक्षिक स्तर का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।
3. निम्न सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर वाले व्यक्तियों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति सबसे निम्न पायी गयी है। उच्च आर्थिक स्तर वाले व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च पाया गया है। वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक आधिपत्य वाले व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च पाया गया है।
4. निम्न स्वास्थ्य वाले व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे निम्न पाया गया है। उच्च सामाजिक–आर्थिक स्तर वाले व्यक्तियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सबसे उच्च पाया गया है।
5. क्षेत्र व सामाजिक–सांस्कृतिक स्तर, क्षेत्र व आर्थिक स्तर, क्षेत्र व वस्तुओं एवं सेवाओं पर आधिपत्य, क्षेत्र व स्वास्थ्य स्तर, क्षेत्र व शैक्षिक स्तर, क्षेत्र व सामाजिक–आर्थिक स्तर की अन्तःक्रिया का जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध अध्ययन का महत्व न केवल जनसंख्या वृद्धि की गम्भीर समस्या के समाधान हेतु है वरन् यह शैक्षिक जगत, समाज व राष्ट्र के लिए भी उपयोगी है। धार्मिक विश्वास, सामाजिक रूढ़ियाँ, अमनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण, बालिकाओं के प्रति अनुचित दृष्टिकोण आदि भी जनसंख्या शिक्षा के प्रचार–प्रसार में आने वाली मुख्य बाधाएं हैं। इस सन्दर्भ में यह सुझाव दिया जा सकता है कि इन बाधाओं को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए ताकि जनसंख्या शिक्षा का व्यापक प्रचार–प्रसार हो सके।

समाज के अनेक व्यक्ति आज भी जनसंख्या शिक्षा को स्वीकृत नहीं कर पाते। अनेक अशिक्षित एवं अर्द्ध शिक्षित व्यक्ति जनसंख्या शिक्षा के विषय में भ्रामक धारणाएं बना लेते हैं। ये व्यक्ति अज्ञानता के कारण जनसंख्या शिक्षा को यौन शिक्षा तथा परिवार नियोजन की शिक्षा मान लेते हैं जिस कारण वे जनसंख्या शिक्षा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। अतः इन व्यक्तियों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए जनसंख्या शिक्षा के प्रति

प्रचलित भ्रामक धारणाओं को तोडना अत्यन्त आवश्यक है। इस कार्य को करने के लिए जनसंख्या शिक्षा की सही अवधारणा को स्पष्ट करना होगा।

संदर्भ ग्रन्थ

देवी, छनम सोनिया (2018). एटीट्यूड ऑफ एडल्ट लर्नर्स टूवार्डस पोप्युलेशन एजुकेशन, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ हयूमैनिटीज एण्ड सोशल साइन्स इन्वेन्शन, 7(10), II, 47–50

द्विवेदी, अर्चना (2002). जनसंख्या शिक्षा के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का कुछ मनो–सामाजिक चरों के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन, शोध प्रबन्ध, पी0–एच0डी0, शिक्षाशास्त्र, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी

बाशा, शेख जिलानी (2009). ए स्टडी ऑफ पोप्युलेशन एजुकेशन : नॉलेज एण्ड एटीट्यूड अमंग डी0एड0 स्टूडेन्टस (डाइट), शोध प्रबन्ध, पी–एच0डी0, जनसंख्या शिक्षा, श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, तिरूपति

यादव, अम्बिका सिंह (2009). जनसंख्या शिक्षा के प्रति लिंग, वर्ग एवं क्षेत्र के सन्दर्भ में शिक्षकों के दृष्टिकोण का एक अध्ययन (उ0प्र0 के गाजीपुर जनपद के संदर्भ में) शोध प्रबन्ध, शिक्षा संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

सिंह, चन्द्रेश कुमार (2002). प्रशिक्षण महाविद्यालयीय छात्रों एवं छात्राओं की जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं अभिवृत्ति का एक अध्ययन, शोध प्रबन्ध, पी–एच0डी0, शिक्षाशास्त्र, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

सिंह, चन्द्रकला (2011). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का उनके सामाजिक एवं वैयक्तिक चरों से सम्बन्ध का अध्ययन, शोध प्रबन्ध, पी–एच0डी0, शिक्षाशास्त्र, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

सिद्दीकी, शउफ्त (2013). जनसंख्या नियन्त्रण में जनसंख्या शिक्षा की भूमिका, (फर्रुखाबाद जनपद के विशेष सन्दर्भ में एक सर्वेक्षण), शोध प्रबन्ध, पी–एच0डी0, शिक्षा विभाग, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर

गोहायन, हायमया (2015). ए कैम्पैरेटिव स्टडी ऑफ पोप्युलेशन अवेयरनेस एण्ड एटीट्यूड टूवार्डस पोप्युलेशन एजुकेशन ऑफ यूनिवर्सिटी टीचर्स एण्ड स्टूडेन्टस ऑफ गोहाटी यूनिवर्सिटी, गोहाटी एण्ड डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, डिब्रूगढ़, शोध ग्रन्थ, डी0फिल0, शिक्षाशास्त्र, गोहाटी विश्वविद्यालय, गोहाटी

इति